No. GAD (CC)1(A)30/2008
Government of Himachal Pradesh
General Administration Department
(Confidential & Cabinet)

From

Virbhadra Singh,
Chief Minister, Himachal Pradesh.

To

The Secretary,
Himachal Pradesh Vidhan Sabha,
Shimla-171004.

Dated: Shimla-171002 the 9th April, 2015.

Subject:- Introduction of Bills in the current session of H.P. Vidhan Sabha.

I have the honour to give notice of my intention to introduce the following Amendment Bills in the current session of Himachal Pradesh Legislative Assembly:-

1. The Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Amendment Bill, 2015.
2. The Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Amendment Bill, 2015.
3. The Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Amendment Bill, 2015.

The recommendation of the Governor under Article 207 of the Constitution of India for its introduction and consideration of the State Legislative Assembly has been obtained.

I am, therefore, to request you to obtain permission from the Hon'ble Speaker to include the aforesaid Bills in the list of business for introduction, consideration and passing the same in the current session.

Three authenticated copies of aforesaid Bills along with Principal Act are enclosed.

Encls. As above.

Yours faithfully,

(Virbhadra Singh)
Chief Minister,
Himachal Pradesh.

2015 का विधेयक संख्यांक 12

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 2015

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 2015

खण्डों का क्रम

खण्ड:

1. संक्षिप्त नाम ।
3. धारा 10–क का संशोधन।

2015 का विधेयक संख्यांक 12

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 2015

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 (1971 का अधिनियम संख्यांक 4) का और संशोधन करने के लिए **विधेयक**।

भारत गणराज्य के छियासठवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:–

1. इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) अधिनियम, 2015 है। संक्षिप्त नाम।

2. हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 की धारा 10–क की उपधारा (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपधारा रखी जाएगी, अर्थात:– धारा 10–क का संशोधन।

"(1) अध्यक्ष और उपाध्यक्ष अपनी पदावधि के दौरान अपने कुटुम्ब के साथ या यात्रा के दौरान उसकी देखभाल और सहायता करने के लिए उसके साथ यात्रा करने वाले किसी व्यक्ति के साथ किसी भी समय किसी भी श्रेणी में रेलमार्ग द्वारा या वायुमार्ग द्वारा देश के भीतर या बाहर यात्रा करने का हकदार होगा और वह प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अधिकतम दो लाख रूपए के अध्यधीन, इस प्रकार उपगत वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति का हकदार ऐसी की गई यात्रा की टिकटों को प्रस्तुत करने पर होगा :

परन्तु वित्तीय वर्ष में रेलमार्ग द्वारा या वायुमार्ग द्वारा की गई यात्रा के लिए संदेय कुल रकम दो लाख रूपये से अधिक नहीं होगी ।

स्पष्टीकरण.—इस उपधारा के प्रयोजन के लिए पद "कुटुम्ब" से पति–पत्नी उनके अविवाहित दत्तक पुत्र और पुत्री सहित अविवाहित पुत्र और पुत्री (पुत्रियां) अभिप्रेत होगा ।"।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

हिमाचल प्रदेश विधान सभा की सदस्य सुख–सुविधा समिति ने सदस्यों के भत्तों और अन्य परिलब्धियों में बढ़ोतरी करने की सिफारिश की है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है। अतः सदस्यों, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष में एकरूपता बनाए रखने के लिए हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 के उपबन्धों को भी हिमाचल प्रदेश विधान सभा (सदस्यों के भत्ते और पेंशन) अधिनियम, 1971 के उपबन्धों के अनुरूप लाने के आशय से अध्यक्ष और उपाध्यक्ष द्वारा मुफ्त यात्रा (फ्री ट्रांजिट) सुविधा के कारण उपगत व्ययों की प्रतिपूर्ति, एक लाख किलोमीटर के रेलवे टैरिफ के बजाय, दो लाख रूपए की सीमा तक करने का विनिश्चय किया गया है। इसलिए पूर्वोक्त अधिनियम में संशोधन करना आवश्यक हो गया है।

यह विधेयक उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति के लिए है ।

(वीरभद्र सिंह)
मुख्यमन्त्री ।

शिमला:
तारीख:.....2015

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के खण्ड 2 के अधिनियमित होने पर राजकोष से प्रतिवर्ष लगभग 8 लाख रूपए का अतिरिक्त आवर्ती व्यय होगा ।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

(जी.ए.डी.नस्ति संख्या: जी0ए0डी0–सी (डी) 5–3/2015)

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 2015 की विषयवस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन, विधेयक को राज्य विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं ।

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन (संशोधन) विधेयक, 2015

हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 (1971 का अधिनियम संख्यांक 4) का और संशोधन करने के लिए **विधेयक** ।

(वीरभद्र सिंह)
मुख्य मन्त्री ।

(देवेन्द्र कुमार शर्मा)
प्रधान सचिव (विधि) ।

शिमला.....
तारीख.....2015

इस संशोधन विधेयक द्वारा सम्भाव्य प्रभावित होने वाले हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 (1971 का अधिनियम संख्याक 4) के उपबन्धों के उद्धरण

धारा:

10–क. रेल द्वारा या वायु मार्ग द्वारा निःशुल्क यात्रा.–(1) यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष अपनी पदावधि के दौरान अपनी कुटुम्ब या उसकी देखभाल और सहायता के लिए उसके साथ यात्रा करने वाले किसी व्यक्ति के साथ भारत सरकार के रेल मंत्रालय, (रेल बोर्ड) द्वारा जारी चालू सवारी डिब्बा टैरिफ के अनुसार किसी भी समय, भारत के किसी भी रेल द्वारा द्वितीय श्रेणी के वातानुकूलित रेल डिब्बे में यात्रा करने का हकदार होगा; और की गई ऐसी यात्रा की टिकटों को प्रस्तुत करने पर ऐसे उपगत वास्तविक व्यय की प्रतिपूर्ति का हकदार होगा:

परन्तु किसी भी वित्तीय वर्ष में, ऐसी यात्रा पर, इस प्रकार उपगत कुल रकम, द्वितीय श्रेणी के वातानुकूलित रेल डिब्बे द्वारा एक लाख किलोमीटर की यात्रा के लिए संदेय रेल टैरिफ की रकम से अधिक नहीं होगी:

परन्तु यह और कि, यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष और उसकी देखभाल या सहायता के लिए उनके साथ यात्रा करने वाला कोई अन्य व्यक्ति इस प्रतिपूर्ति पर किसी भी वातानुकूलित रेल सवारी डिब्बे में यात्रा कर सकेंगे:

परन्तु यह और कि, यथास्थिति, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तथा उसकी कुटुम्ब या उसकी देखभाल और सहायता के लिए यात्रा के दौरान उसके साथ यात्रा करने वाला कोई अन्य व्यक्ति, भारत के वायुमार्ग द्वारा भी यात्रा कर सकेगा और उस दशा में ऐसी यात्रा के टिकट प्रस्तुत करने पर उपगत व्यय के बराबर रकम की प्रतिपूर्ति, यथास्थिति, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष को की जा सकेगी और इस प्रकार प्रतिपूरित रकम का समायोजन उसकी रेल द्वारा यात्रा करने की हकदारी के विरूद्व किया जाएगा:

परन्तु यह और कि किसी भी वित्तीय वर्ष में रेल या वायु मार्ग द्वारा की गई यात्रा के लिए संदेय कुल रकम द्वितीय श्रेणी के वातानुकूलित रेल डिब्बे द्वारा, एक लाख किलोमीटर की, यात्रा के लिए, संदेय रकम से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण.—इस उप धारा के प्रयोजन के लिए पद "कुटुम्ब" से पति या पत्नी तथा उनके अविवाहित पुत्र और पुत्री (पुत्रियां) अभिप्रेत होगा तथा अविवाहित दत्तक पुत्र और पुत्री भी इसके अन्तर्गत है।

(2) अध्यक्ष या उपाध्यक्ष उसके अपने अनुरोध पर, ऐसी यात्रा करने के लिए दस हजार रूपये से अनधिक अग्रिम का हकदार होगा तथा ऐसी संदत्त अग्रिम, वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पूर्व समायोजित किया जाएगा, ऐसा न होने पर पूर्ण अग्रिम, उसके वेतन और भत्ते से एकमुश्त राशि में वसूल किया जाएगा।

स्पष्टीकरण:—इस धारा के अधीन, कुल रकम का अवधारण करने के लिए हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष वेतन अधिनियम, 1971 की धारा 10—क या हिमाचल प्रदेश विधान सभा सदस्यों के भत्ते और पेन्शन अधिनियम, 1971 की धारा 6 के अधीन, उसी वित्तीय वर्ष में रेलमार्ग या वायुमार्ग द्वारा की गई यात्रा में इस प्रकार उपगत रकम को हिसाब में लिया जाएगा।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

BILL NO. 12 OF 2015

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (AMENDMENT) BILL, 2015

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (AMENDMENT) BILL, 2015

ARRANGEMENT OF CLAUSES

Clauses:

1. Short title.
2. Amendment of section 10-A.

Bill No. 12 of 2015

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (AMENDMENT) BILL, 2015

(As Introduced in the Legislative Assembly)

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971 (Act No. 4 of 1971).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Sixty – sixth Year of the Republic of India as follows:-

Short title.

1. This Act may be called the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Act, 2015.

Amendment of section 10-A.

2. In section 10-A of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971, for sub-section (1) the following sub-section shall be substituted, namely:-

"(1) Speaker and Deputy Speaker during the term of their office shall be entitled to travel at any time by railway or by air by any class within or outside the country alongwith his family or any person accompanying him to look after and assist him during travel and shall be entitled for the reimbursement of actual expenses so incurred on production of tickets of such journey performed, subject to maximum of two lac rupees in each financial year:

Provided that the aggregate amount payable for the journey performed by railway or by air in a financial year shall not exceed two lac rupees.

Explanation.—For the purpose of this sub-section, the expression "family" shall mean the spouse their unmarried son(s) and daughter(s) including unmarried adopted son and daughter.". 5

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

The Members Amenities Committee of Himachal Pradesh Vidhan Sabha has recommended to enhance allowances and other perquisites to the Members which has been accepted. Thus, in order to maintain the parity amongst the Members, Speaker and Deputy Speaker and also to bring the provisions of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971 in conformity with the provisions of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members) Act, 1971, it has been decided to provide reimbursement of expenses incurred by the Speaker and Deputy Speaker on account of free transit facility to the limit of two lac rupees instead of Railway tariff of one lac kilometers. This has necessitated amendment in the Act ibid.

This Bill seeks to achieve the aforesaid objectives.

(VIRBHADRA SINGH)
Chief Minister.

Shimla:
The _____ 2015.

FINANCIAL MEMORANDUM

Clauses 2 of the Bill, when enacted, will entail additional recurring expenditure out of the State exchequer to the tune of Rs. 8 lac per annum approximately.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

—Nil—

RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207 OF THE CONSTITUTION OF INDIA

(GAD File No. GAD-C- (D) 5-3/20 15)

The Governor of Himachal Pradesh, having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries (Amendment) Bill, 2015, recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill in the State Legislative Assembly.

THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES (AMENDMENT) BILL, 2015

A

BILL

further to amend the Himachal Pradesh Legislative Assembly Speaker's and Deputy Speaker's Salaries Act, 1971 (Act No. 4 of 1971).

(VIRBHADRA SINGH)
Chief Minister.

(DEVENDER KUMAR SHARMA)
Pr. Secretary (Law).

Shimla:

The _____ _____ 2015.

EXTRACT OF THE PROVISIONS OF THE HIMACHAL PRADESH LEGISLATIVE ASSEMBLY SPEAKER'S AND DEPUTY SPEAKER'S SALARIES ACT, 1971 (ACT NO. 4 OF 1971) LIKELY TO BE AFFECTED BY THIS AMENDMENT BILL

Section :

10-A. Free transit by railway or by air.—(1) The Speaker and the Deputy Speaker during the term of their office shall be entitled to travel by second class air conditioned railway coach, at any time, by any railway in India as per current coaching tariff issued by the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board), along with his 2 (family) or any person accompanying him to look after and assist him during travel; and shall be entitled for the reimbursement of actual expenses so incurred on production of tickets of such journey performed:

Provided that the aggregate amount so incurred on such journey, in any financial year, shall not exceed the amount of railway tariff payable for (one lac kilometres) journey performed by second class air conditioned railway coach:

Provided further that the Speaker/Deputy Speaker, as the case may be, and his (family)or any other person accompanying him to look after and assist him may travel by any air conditioned railway coach against this reimbursement:

Provided further that journey may also be performed within India by air by the Speaker or Deputy Speaker, as the case may be, and his (family) or any person accompanying him to look after and assist him during travel, in that event an amount equivalent to the expenses incurred on such journey shall be reimbursed to the Speaker, or Deputy Speaker, as the case may be, on production of tickets of such journey and the amount so reimbursed shall be adjusted against his entitlement to travel by rail:

Provided further that the aggregate amount payable for the journey performed by railway or by air in a financial year shall not exceed the amount payable for (one lac) kilometres by second class air conditioned railway coach.

Explanation.—For the purpose of this sub-section, the expression" family" shall mean the spouse their unmarried son(s) and daughter(s) including unmarried adopted son and daughter.

(2) The Speaker and the Deputy Speaker, as the case may be, shall be entitled for an advance not exceeding rupees ten thousand on his request to undertake such journey and the

advance so paid shall be adjusted before the closing of financial year, failing which the entire advance shall be recovered from his salary and allowances in lump-sum.

Explanation.—For determining the aggregate amount under this section, the amount so incurred in same financial year on journey by railway or air under section 7 of the Salaries and Allowances of Ministers (Himachal Pradesh) Act, 2000, or under sub-section (1)of section 6 of the Himachal Pradesh Legislative Assembly (Allowances and Pension of Members)Act, 1971 shall be taken into account.

राजकीय मुद्रणालय, हि0 प्र0, शिमला–81–जुड / 2015–8–4–2015—250.